UNESCO WORLD HERITAGE SITES IN INDIA - II

UNESCO World Heritage Convention which was established in 1972, recognised various sites of cultural and natural importance around the world. After the latest addition to the list of UNESCO World Heritage Sites, India now has 38 World Heritage Sites and that makes India the country with the 6th largest number of World Heritage Sites in the world.

MANAS WILDLIFE SANCTUARY

On a gentle slope in the foothills of the Himalayas where wooded hills give way to alluvial grasslands and tropical forests, lies the Manas Wildlife Sanctuary. The sanctuary was designated a UNESCO World Heritage site in 1985. Manas Wildlife Sanctuary is home to rare and endangered wildlife species such as Pygmy Hog, Golden Langur, Hispid Hare and the Assam Roofed Turtle.

GREAT HIMALAYAN NATIONAL PARK

Located in the state of Himachal Pradesh, the Great Himalayan National Park is one of India's prominent national parks. The National Park was established in 1984 and is spread over an area of 1,171 sq km at an altitude between 1,500 and 6,000 m. In June 2014, the Great Himalayan National Park was added to the UNESCO list of World Heritage Sites.

The National Park protects over 800 plant species, including many medicinal herbs, 31 mammal species and 209 bird species, as well as amphibian species, reptile species and insect species. A trek of 35 to 45 km in any of the park's valleys brings one into the high altitude habitat (3,500 m and above) of animals such as Blue Sheep, Snow Leopard, Himalayan Brown Bear, Himalayan Tahr and Musk Deer. Best sightings can be made in autumn (September–November) as animals start their seasonal migration to lower altitudes.

NANDA DEVI & VALLEY OF FLOWERS NATIONAL PARKS

The Nanda Devi National Park or Nanda Devi Biosphere Reserve, established in 1982 is a national park situated around the peak of Nanda Devi (7,816 m) in the state of Uttarakhand in northern India. The gentle landscape of the Valley of Flowers National Park complements the rugged mountain wilderness of Nanda Devi National Park. Together they encompass a transition zone between the mountain ranges of the Zanskar and Great Himalaya. The National Park was inscribed a World Heritage Site by UNESCO in 1988.

Nanda Devi National Park is home to a wide variety of flora and fauna. Some 312 floral species that include 17 rare species have been found here. Fir, birch, rhododendron and juniper are the main flora. Common larger mammals found in this National Park are Himalayan Musk Deer, Mainland Serow and Himalayan Tahr. Goral are not found within, but in the vicinity of the park. Carnivores are represented by Snow Leopard, Himalayan Black Bear and perhaps also Brown Bear.

One of the most picturesque and colourful natural sights in India is the Valley of Flowers National Park. Nestled in Uttarakhand, this National Park is famous for its charming meadows of alpine flowers. Legends believe it to be the place from where *Hanuman* collected the *Sanjeevanibuti* for curing Laxman. This National Park has floral pastures, running streams and beautiful backdrop of mountains. The valley was declared a national park in 1982 and is a World Heritage Site.

WESTERN GHATS

The Western Ghats, also known as Sahyadri (Benevolent Mountains), are a massive mountain range that covers an area of 1,40,000 square kilometres parallel to the western coast of the Indian peninsula, traversing the states of Kerala, Tamil Nadu, Karnataka, Goa, Maharashtra and Gujarat. It is a UNESCO World Heritage Site and is one of the eight "hottest hot-spots" of biological diversity in the world. According to UNESCO, the Western Ghats are older than the Himalayas. They influence Indian monsoon weather patterns by intercepting the rain-laden monsoon winds that sweep in from the south-west during late summer.

The area has over 7,402 species of flowering plants, 1,814 species of non-flowering plants, 139 mammal species, 508 bird species, 179 amphibian species, 6,000 insect species and 290 freshwater fish species. It is likely that many undiscovered species live in the Western Ghats. At least 325 globally threatened species exist in the Western Ghats.

The major river systems originating in the Western Ghats are the Godavari, Kaveri, Krishna, Thamiraparani and Tungabhadra rivers. The majority of streams draining the Western Ghats join these rivers, and carry a large volume of water during the monsoon months.

Department of Posts is pleased to release a set of five Commemorative Postage Stamps and a Miniature Sheet on Natural sites under the UNESCO World Heritage Sites in India-II.

Credits:

Stamps/ Miniature Sheet/FDC/ Brochure/Cancellation Cachet	:	Shri Brahm Prakash
Text	:	Shri Pallab Bose
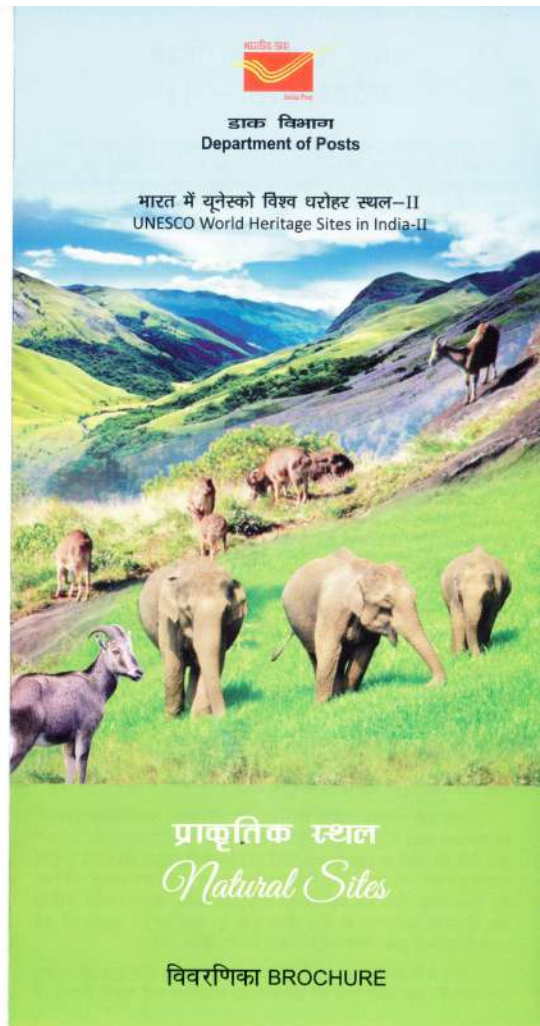
भारत में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल – ।।

यूनेस्को विश्व धरोहर कन्वेंशन की स्थापना 1972 में हुई। इसके अंतर्गत विश्व भर के सांस्कृतिक और प्राकृतिक सौंदर्य के महत्व के स्थलों को विशेष पहचान प्रदान की जाती है। यूनेस्को के इन विश्व धरोहर स्थलों में अद्यतन प्रविष्टियों के बाद भारत में अब कुल 38 विश्व धरोहर स्थल हैं और इस प्रकार, भारत, विश्व धरोहर स्थलों की संख्या के संदर्भ में विश्व में छठे स्थान पर है।

मानस वन्यजीव अभयारण्य

मानस वन्यजीव अभयारण्य, हिमालय की तलहटी में स्थित है, जहां पर्वतराज हिमालय की वृक्षों से सजी पहाड़ियां, जलोढ़ (एल्यूवियल) मृदा वाले सुंदर हरे घास के मैदानों और उष्णकटिबंधीय वनों का आलिंगन करती हैं। इस अभयारण्य को वर्ष 1985 में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया। मानस वन्यजीव अभयारण्य में दुर्लभ तथा विलुप्तप्राय वन्य जीवों की अनेक प्रजातियां पाई जाती हैं, जिनमें पिग्मी हॉग, गोल्डन लंगूर, हिस्पिड हेयर और असम रूफ्ड टर्टल शामिल हैं।

ग्रेट हिमालयन नैशनल पार्क

हिमाचल प्रदेश में स्थित ग्रेट हिमालयन नैशनल पार्क, भारत के प्रमुख राष्ट्रीय उद्यानों में से एक है। लगभग 1,171 वर्ग कि.मी. क्षेत्र में 1,500 से 6,000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित इस राष्ट्रीय उद्यान की स्थापना 1984 में हुई। जून, 2014 में इस राष्ट्रीय उद्यान को यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल किया गया।

इस राष्ट्रीय उद्यान में अनेक औषधीय शाक सहित पादपों की 800 प्रजातियों के साथ–साथ स्तनपायी जीवों की 31 और पक्षियों की 209 प्रजातियां तथा उभयचरों, सरीसृपों और कीट–पतंगों की अनेक प्रजातियां भी संरक्षित हैं। इस राष्ट्रीय उद्यान में 35 से 45 कि.मी. के भीतर दाखिल होने के बाद हमें काफी ऊंचाई पर (3,500 मी. तथा इससे ऊपर) रहने वाले अनेक दुर्लभ पशुओं जैसे ब्लू शीप, स्नो लेपर्ड, हिमालयन ब्राउन बेयर, हिमालयन ताहर और कस्तूरी मृग का पर्यावास देखने को मिलता है। इन पशुओं को देखने का बेहतरीन मौसम पतझड़ (सितंबर–नवंबर) है, जब ये पशु ऊंचाई पर स्थित अपने पर्यावासी स्थलों से निचले इलाकों का रुख़ करते हैं।

नंदा देवी और फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान

नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान या नंदा देवी जीवमंडल (बायोस्फियर) रिजर्व की स्थापना 1982 में हुई। यह राष्ट्रीय उद्यान, उत्तर भारत में उत्तराखंड राज्य में नंदा देवी की चोटी (7,816 मी.) के चारों ओर स्थित है। फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान का मनोरम भूदृश्य, नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान के निर्जन पहाड़ी परिदृश्य का पूरक सिद्ध होता है। यह अद्भुत प्राकृतिक स्थल, जांस्कर पर्वत श्रृंखला और हिमालय पर्वतमाला के बीच फैला हुआ है। इस राष्ट्रीय उद्यान को वर्ष 1988 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान में विविध प्रकार के पेड़–पौधे तथा जीव–जंतु पाए जाते हैं। यहां सुंदर पुष्पों की लगभग 312 प्रजातियां पाई गई हैं, जिनमें 17 अत्यंत दुर्लभ किस्में शामिल हैं। यहां मुख्यतः फर, बर्च, रोडोडेन्ड्रॉन और जूनिपर जैसे पेड़–पौधे पाए जाते हैं। इस राष्ट्रीय उद्यान में हिमालयी कस्तूरी मृग, मेनलैंड सेरो और हिमालयन ताहर जैसे स्तनपायी जीव पाए जाते हैं। इस पार्क के आस–पास गोरल भी पाई जाती है। यहां पाए जाने वाले मांसाहारी पशुओं में स्नो लेपर्ड, हिमालयी काला भालू (हिमालयन ब्लैक बेयर) और संभवतः भूरा भालू (ब्राउन बेयर) भी शामिल हैं।

फूलों की घाटी, भारत के सबसे मनोरम और रंग–बिरंगे प्राकृतिक स्थलों में से एक है। उत्तराखंड स्थित यह राष्ट्रीय उद्यान मनमोहक पर्वतीय पुष्पों के खूबसूरत मैदानों के लिए प्रसिद्ध है। किंवदंती के अनुसार यह वही स्थान है, जहां से लक्ष्मण के जीवन की रक्षा के लिए *हनुमान संजीवनी* बूटी लाए थे। यह राष्ट्रीय उद्यान, बुलंद पर्वतों की पृष्ठभूमि में फूलों की चादर ओढ़े मैदानों और कलकल बहती धाराओं से सजा है। इस पुष्प घाटी को 1982 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया और यह एक विश्व धरोहर स्थल है।

पश्चिमी घाट

पश्चिमी घाट को सहयाद्रि के नाम से भी जाना जाता है। यह विशाल पर्वत श्रृंखला भारतीय प्रायद्वीप के पश्चिमी तट के समानांतर 1,40,000 वर्ग कि. मी. क्षेत्र में फैली हुई है और केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों से होकर गुजरती है। यह यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है और जैव–विविधता के दृष्टिकोण से विश्व के 8 "सबसे महत्वपूर्ण स्थलों (हॉट स्पॉट)" में से एक है। यूनेस्को के अनुसार, पश्चिमी घाट हिमालय से भी पुराने हैं। ग्रीष्म काल के उत्तरार्ध में पश्चिम से बहने वाली बरसात की बूंदों से भरी मानसून हवाओं का रास्ता रोक कर ये पर्वत, भारत में मानसून की दशा–दिशा (पैटर्न) को भी गहरा प्रभावित करते हैं।

पश्चिमी घाट के साये में पुष्पित पादपों की 7,402 प्रजातियों और गैर–पुष्पित पादपों की 1,814 प्रजातियों के साथ–साथ स्तनपायी जीवों की 139, पक्षियों की 508, उभयचरों की 179, कीट–पतंगों की 6,000 और मीठे पानी में रहने वाली मछलियों की 290 प्रजातियां फलती–फूलती हैं। इस बात की भी पूरी संभावना है कि पश्चिमी घाट में पेड़–पौधों और जीव–जंतुओं की अनेक ऐसी किस्में भी पाई जाती हों, जिनकी अब तक खोज नहीं हो पाई है। पश्चिमी घाट के विस्तृत आंगन में वैश्विक स्तर पर विलुप्तप्राय कम से कम 325 प्रजातियां भी मौजूद हैं।

पश्चिमी घाट के पहाड़ों में कुछेक प्रमुख नदी प्रणालियों का भी उद्गम होता है, जिनमें गोदावरी, कावेरी, कृष्णा, तमीरापरानी और तुंगभद्रा शामिल हैं। पश्चिमी घाट से निकलने वाली अधिकतर जल धाराएं, इन नदियों में आकर मिलती हैं और मानसून के महीनों में इनमें विशाल मात्रा में जल प्रवाहित होता है।

भारत में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल – ।। विषय के अंतर्गत प्राकृतिक स्थलों पर पांच स्मारक डाक–टिकटों का सेट तथा एक मिनियेचर शीट जारी करना डाक विभाग के लिए प्रसन्नता का विषय है।

आभार :
डाक–टिकटें / मिनियेचर शीट /
प्रथम दिवस आवरण / विवरणिका / विरूपण कैशे : श्री ब्रह्म प्रकाश
पाठ : श्री पल्लव बोस

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	500 पैसे (2), 1200 पैसे (3)
Denomination	:	500 p (2), 1200 p (3)
मुद्रित डाक टिकटें	:	500000 प्रत्येक
Stamps Printed	:	500000 each
मुद्रित मिनियेचर शीट्स	:	110000
Miniature Sheets Printed	:	110000
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

मूल्य ₹ 5.00